वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 307 | मंगलवार 5 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान बने उत्कृष्ट शिक्षा का मॉडल, जहां आवश्यक हो वहां प्राथमिकता से हो शिक्षकों की नियुक्ति

निजी क्षेत्र के समान राजकीय विद्यालयों में भी हो बेहतरीन शैक्षणिक सुविधाएं: मुख्यमंत्री शर्मा

मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालयों में रिक्त पदों को भरने के लिए मानव संसाधनों के सामंजस्यपूर्वक उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया...

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य गांव, कस्बे से लेकर शहर तक शिक्षा का ऐसा वातावरण विकसित करना है, जिससे हर वर्ग का विद्यार्थी सुंदर भविष्य का सपना देख सके और उसे पूरा भी कर सके। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में स्कूल, उच्च, तकनीकी एवं संस्कृत शिक्षा विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निजी क्षेत्र के विद्यालयों के समान राजकीय विद्यालयों में भी आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने की योजना बनाने के निर्देश दिए ताकि जरूरतमंद परिवार के विद्यार्थी को भी उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराई जा सके। उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों में शिक्षक कठिन परीक्षा को पास कर नियोजित होते हैं। उनमें विद्यार्थियों के भविष्य को बनाने की पूर्ण क्षमता होती है। मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालयों में रिक्त पदों को भरने के लिए मानव संसाधनों के सामंजस्यपूर्वक उपयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति करने के लिए नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। इससे जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहां विद्यार्थियों को प्राथमिकता से एवं समय पर शिक्षक मिल सकेंगे। शर्मा ने कहा कि शिक्षकों के अनियमित स्थानान्तरण के कारण विद्यालयों की शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होती है। इसके समाधान के लिए शिक्षा विभाग को पारदर्शी स्थानान्तरण नीति तैयार करनी चाहिए। इससे शिक्षकों का योग्यता के आधार पर एवं सही समय पर स्थानान्तरण सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को शिक्षा के सुधार के लिए कुछ जिलों में नवाचार करने के निर्देश भी दिए। जिन्हें निकट भविष्य में पूरे प्रदेश में लागू किया जा सके और राजस्थान पूरे देश में उत्कृष्ट शिक्षा का मॉडल बनकर उभरे। शर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बजट घोषणा 2024-25, 100 दिवसीय कार्य योजना एवं संकल्प पत्र में शामिल घोषणाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस की समीक्षा करते हुए इस योजना में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान पाठ्य पुस्तक मण्डल को पुस्तकों की खरीद प्रक्रिया में सुधार लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने प्रक्रियाधीन भर्तियों की स्थिति, स्कूटी एवं साइकिल वितरण योजना, छात्रवृत्ति योजना, पीएम उषा योजना के संबंध में विस्तृत समीक्षा की।

संस्कृत शिक्षा के प्रसार पर गंभीरता से करें कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत भाषा के ज्ञान से व्यक्ति के आचार, विचार और संस्कार में सकारात्मक बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध है और इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। उन्होंने संस्कृत शिक्षा विभाग को शिविर एवं गोष्ठियों का आयोजन कर विद्यार्थियों को संस्कृत शिक्षा के प्रति प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभागीय वार्षिक कलेण्डर प्रकाशित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सुबीर कुमार, स्कूल शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल, संस्कृत शिक्षा सचिव पूनम सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों के बर्थडे पर लगाएं एक पौधा

केनवर्ल्ड स्कूल के वार्षिकोत्सव में दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। मान्यावास स्थित केनवर्ल्ड पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभावान सम्मान समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया । कार्यक्रम की गेस्ट ऑफ ऑनर सोशल एक्टिविस्ट दीप कंवर रही। स्कूल प्रिंसिपल जया गोलीमार ने दीप कंवर का माल्यार्पण करके स्वागत किया।इस मौके पर दीप कंवर ने सभी नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए अनुशासित जीवन जीने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग होने की बात कही। उन्होंने अभिभावको से बच्चों के जन्मदिन पर एक पौधा लगाने की अपील की। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक से एक बढ़कर सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुतियां दी। मौके पर स्कूल सचिव राम नारायण सैनी मौजूद रहे। सभी प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल जया गोलीमार ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी टीचर्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में टीचर प्रीति जैन, श्वेता सैनी, नेहा जांगिड़ एवं सुषमा नेगी को सम्मानित किया गया। एंकर शुभी कंवर ने अपनी दमदार एंकरिंग परफॉर्मेंस से कार्यक्रम में समा बांधे रखा। अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लेकर चार चांद लगाए। दीप कंवर ने प्रिंसिपल जया गोलीमार एवं डायरेक्टर सौरभ सैनी की कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए आमंत्रित करने के लिए आभार व्यक्त किया।इस मौके पर सुनील सैनी ,शिव ओझा,मनीषा सैनी,प्रीति सैनी, जितेश गोलीमार एवं पूजा सैनी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर अपनी अहम भूमिका निभाई।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

जिस इंसान के पास सब्र की ताकत है,
उस व्यक्ति से कोई भी मुकाबला नहीं कर सकता..
यदि सब्र ना हो तो कब्र खोदकर उसमें सो जाना चाहिए..!

क्योंकि अब तुम्हें जीने का, और प्रार्थना करने का कोई अधिकार नहीं है। मन से उठी प्रार्थनायें, कभी खाली नहीं जाती। प्रार्थना के साथ प्रयत्न भी जरूरी है,, प्रयास भी जरूरी है। कलयुग में केवल प्रार्थना से काम नहीं चलता है बाबू। फल सिद्धि के लिए प्रयत्न भी करना पड़ता है। आज इस देश में समस्याओं के समाधान के लिए प्रार्थनाएं तो जोर शोर से हो रही है। मगर लगता है कि प्रार्थनाओं के अनुरूप ईमानदारी से प्रयास नहीं हो रहा है। अच्छे के लिए प्रयास करो, शुभ के लिए कामना करो, और सबके मंगल के लिए प्रार्थना करो। पूरे कुए में भांग घुली है, तो तय है कि हम अकेले कुछ नहीं कर सकते, पर कम से कम एक बालटी गंदे पानी को स्वच्छ करने के लिए फिटकरी डालने जितना काम तो कर ही सकते हैं ना...। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

श्री महावीर कॉलेज में एडवांस एक्सेल प्रोग्राम पर 15 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर कॉलेज में कॉरपोरेट सेक्टर की मांग को देखते हुए अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं बाहर के विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय **"Advance Excel Program Workshop"** का प्रथम बैच 4 मार्च से प्रारंभ हो चुका है। इस कार्यशाला में एक्सेल फंडामेंटल, डेटा विजुअलाइजेशन, फाइल सिक्योरिटी, डैश बोर्ड एवं स्कोर बोर्ड क्रिएट करना आदि पहलूओ पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। इसी का दूसरा बैच 11 मार्च से शुरू किया जाएगा। कॉलेज प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों में विषय विशेष के ज्ञान के साथ साथ आवश्यक कौशल की भी आवश्यकता है तभी हम उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान कर पाएंगे। इससे विद्यार्थियों को एक नया प्लेटफॉर्म मिलेगा। महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को इस वर्कशॉप से भविष्य में जरूर लाभ मिलेगा। **-डा. आशीष गुप्ता:प्राचार्य**

गुरू विद्यासागर पर हम सबको है नाज - दीक्षा स्थली अजमेर में नतमस्तक होगा जैन समाज

समता पूर्वक समाधि

अहिंसा के मसीहा, जन जन के नायक संत शिरोमणी

आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज

भजन भावांजलि

शनिवार, 9 मार्च 2024, रात्रि 7.30 बजे से

स्थान : विद्यासागर तपोवन

छतरी योजना, वैशाली नगर, अजमेर

आत्मीय आमन्त्रण

गुरूवर आप बहुत याद आयेंगे .....

मुख्य अतिथि :
श्री वासुदेव देवनानी
(राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष)

समारोह अध्यक्ष :
श्री सुरेश सिंह रावत
(जल संसाधन मंत्री, राज. सरकार)

अति विशिष्ट अतिथि :
श्री भागीरथ चौधरी
(सांसद, अजमेर)

विशेष आयोजन
आचार्य गुरूवर के 56 चातुर्मासों की स्मृति में 56 मचों पर 56 पुण्यार्जक परिवारों द्वारा
महाआरती

विशिष्ट अतिथि :
श्रीमती अनिता भदेल (विधायक अजमेर दक्षिण), श्री रामस्वरूप लाम्बा (विधायक नसीराबाद),
श्री शंकरसिंह रावत (विधायक ब्यावर) श्री शत्रुघ्न गौतम (विधायक केकड़ी),
श्री विकास चौधरी (विधायक, किशनगढ़), श्रीमती बृजलता हाड़ा (महापौर),
श्री नीरज जैन (उपमहापौर), श्री रमेश सोनी (जिलाध्यक्ष भा.ज.पा.)
श्री विजय जैन (जिलाध्यक्ष कांग्रेस), श्री पुखराज पहाडिया (पूर्व जिला प्रमुख, अजमेर)

गरिमामयी उपस्थिति
ब्र.सुकांत भैयाजी, ज्ञानोदय तीर्थ

परम गुरू भक्त शिरोमणी
श्री अशोकजी-सुशीलाजी पाटनी, आर.के.ग्रुप, किशनगढ़

प्रतिष्ठाचार्य श्री कुमुदचंदजी सोनी

सम्माननीय अतिथि

किशनगढ़ : सर्वश्री प्रकाशचंदजी गंगवाल, विनोदजी पाटनी उरसेवा, निहालचंदजी पहाडिया, संजयजी पापडीवाल, निरंजनजी बैद, इंदरचंदजी पाटनी, राजेशजी पाण्ड्या, सुभाषजी बड़जात्या, विनोदजी चौधरी, विजयजी काला, अशोकजी पाटनी उत्कर्ष, महेन्द्रजी पाटनी उरसेवा, माणकजी गंगवाल कडैल, निर्मलजी पांड्या भादवा, चन्द्रप्रकाशजी बैद, आनन्दजी जैन, अतुलजी लुहाडिया, जितेन्द्रजी पाटनी, मुकेशजी पाटनी, सुरेन्द्रजी दगड़ा, राजकुमारजी दोसी, कमलजी बैद, विमलजी बड़जात्या, महेन्द्रजी पाटनी, गुणमालाजी पाटनी, सुभाषजी सेठी, सुभाषजी चौधरी, पवनजी लुहाड़िया, राकेश मोहनजी पहाड़िया, नवरतनदेवी दगड़ा, निर्मला पाटनी, निशा रारा, संगीता पापडीवाल, सुलोचना कासलीवाल, रश्मि छाबड़ा, कुसुम दोसी

ब्यावर : सर्वश्री कैलाशजी बडजात्या, विजयजी फागीवाला, पारसजी कासलीवाल, रितेशजी फागीवाला, कमलजी संवका, राजकुमारजी पहाडिया, सुमन दगडा

बिजयनगर : सर्वश्री प्रकाशचंदजी बडजात्या, सुभाषजी कासलीवाल, प्रकाशजी अजमेरा, बच्छराजजी दोसी, अजयजी कोठारी, संजयजी कासलीवाल, सरिता कोठारी, भाग्यवंती छाबड़ा

केकडी : सर्वश्री मनोजजी पांड्या, शीतलजी कटारिया, आशीषजी ठोल्या, राकेशजी कासलीवाल, पदमचंदजी बीजवाड, महावीरप्रसादजी जैन, शांतिलालजी जैन, सुनीलजी जैन गुणोदय

नसीराबाद : सर्वश्री कुंतीलालजी गदिया, अशोकजी बाकलीवाल, शेखरजी बड़जात्या, विनोदजी पाटनी, अरूणजी पाटनी, ओमजी बड़जात्या, हर्षद बड़जात्या, श्रीमती कांता बड़जात्या

अजमेर : सर्वश्री प्रमोदचंदजी सोनी, प्रदीपजी पाटनी, मनीषजी गदिया, पवनजी बढारी, मिश्रीलालजी गदिया, अतुलजी ढिलवारी, कैलाशचंदजी सेठी, डॉ.आर.के.गोधा, सुनीलजी होकरा, प्रकाशजी पाटनी, राकेशजी गदिया, दिनेशजी पाटनी, वीरेन्द्रजी बाकलीवाल, राजकुमारजी भैंसा, सुशीलजी पल्लीवाल, वृद्धिचंदजी बाकलीवाल, अजयजी दनगसिया, विजयजी दनगसिया, अशोकजी कासलीवाल, सुनीलजी दोसी, सुशीलजी बाकलीवाल, धनेशजी गोधा, योगेन्द्रजी कोलानायक, सुनीलजी ढिलवारी, टीकमचंदजी पाटनी, मनोजजी कोलानायक, राकेशजी धीया, सुभाषजी चडोसिया, हेमन्तजी जैन, सुनीलजी काके, ललितजी पांड्या, विनितजी उनेरिया, विरेन्द्रजी बाड़मेर वाले, मनीषजी सेठी, बसंतजी सेठी, अनिलजी गदिया, नितिनजी दोसी, प्रवीणजी गदिया, अतुलजी पाटनी, नेमीचंदजी पाटनी, लालचंदजी बोहरा, नरेशजी गंगवाल, अनुरागजी लुहाड़िया, नितिनजी जैन, कमलजी गंगवाल, रमेशजी पाटनी, सुशीलजी दोसी, कमलजी सोगानी, कमलजी बड़जात्या, राजेशजी सोनी, सुनीलजी खटोड़, अजयजी दोसी, मनोजजी मडोसिया, ज्ञानचंदजी पाटनी, सुनील सोगानी, कमल कासलीवाल

महिला मंडल अजमेर : मधु पाटनी, अंजु अजमेरा, राखी जैन, शीतमा जैन, कुसुम जैन, चंदा दोसी, सुशीला जैन, कामिनी सेठी, शशि पाटनी, सीमा पांड्या, कमलेश जैन, मैना बड़जात्या, मंजू गंगवाल, नवल छाबड़ा, रूपश्री जैन, रजनी गंगवाल, लता जैन, सपना पाटनी, शशी बज, प्रीति गदिया, निर्मला पाण्ड्या, सूर्यकान्ता सेठी, रूबी जैन (पार्षद), सोनिका भैंसा, अर्चना गंगवाल

चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलनकर्ता

श्री महेशचंद जी - शशि जी गंगवाल
सुयोग जी गंगवाल परिवार, अजमेर

ड्रेस कोड :
पुरूष सफेद परिधान एवं महिलायें फाग परिधान में पधारें।

आयोजन स्थल प्रदाता :
श्री दिगम्बर जैन बीसपंथी अजमेर आम्नाय पंचायत
बड़ा धड़ा, अजमेर

विशेषाग्रह :
समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्तागण
जागृति मंच, अजमेर

गौरवमयी उपस्थिति : सम्माननीय समाज बंधु, सकल दिगम्बर जैन समाज, किशनगढ़ । केकड़ी । नसीराबाद । ब्यावर । बिजयनगर

निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, जिला अजमेर आयोजक : श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा जागृति मंच, अजमेर

वेद ज्ञान

राक्षसी कर्मों की पराजय...

सनातन धर्म में तथ्यों को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि ये समय के अनुसार अपनी मूल भावना को सुरक्षित रखते हुए हर काल में सार्थक प्रतीत होते रहें। इसी क्रम में देवताओं और राक्षसों को परिभाषित किया गया है। मानवता का तात्पर्य ऐसे कृत्यों से है, जिससे संपूर्ण मानव जाति का कल्याण और सुरक्षा हो सके। इसलिए जो कृत्य मानवता के विपरीत होते हैं, उन्हें राक्षसी और जो इसके हित में होते हैं उन्हें देवतुल्य कहा जाता है। स्पष्ट है कि दूसरों को पीड़ा देने वाले कृत्यों जैसे हिंसा, चोरी और स्त्रियों के प्रति अपराध आदि को ही राक्षसी कृत्य कहा जाता है। आदिकाल में भी मानव समाज के कुछ लोग मानवता के विपरीत ऐसे कृत्य करते थे, जिन्हें त्रेता और द्वापर युग में राक्षस पुकारा जाता था। इस समय कलियुग में तो इनकी भरमार है। इनकी भरमार होने के कारण आज के युग में मानवता के स्थान पर जंगल के नियमों का ही वर्चस्व कायम है। ऐसा इसलिए, क्योंकि राक्षसी प्रवृत्ति के अनेक मनुष्य भौतिक जगत में किसी भी प्रकार से अकूत धन कमाने का कृत्य करते हैं। कुछ लोग हैं, जो सत्ता और अपने विशेषाधिकारों के जरिये बेशुमार धन अर्जित करना चाहते हैं। प्रजातंत्र में वोटों से सत्ता प्राप्त होती है, लेकिन कुछ लोग सत्ता का दुरुपयोग कर धन कमाने को अपने जीवन का लक्ष्य मानते हैं। जो कार्य किसी लोभ या लालच के बगैर दूसरों की भलाई के लिए किए जाते हैं, उन्हें देवतुल्य कहा जाता है। जैसे सूर्य और पवन पूरे संसार को प्रकाश और वायु प्रदान करते हैं। इसलिए इनको सूर्य और पवन देव पुकारा जाता है। इसी प्रकार इंद्र संसार को बारिश के जरिये जल देते हैं, इसलिए उन्हें भी देव कहा जाता है। इस प्रकार त्रेता और द्वापर युग में सद्कर्म करने वाले लोगों की संख्या ज्यादा थी। इसीलिए ऐसी मान्यता है कि उपर्युक्त दोनों युगों में आम जनता सुखी थी और चारों तरफ शांति व प्रेम का वातावरण व्याप्त था। बहरहाल नैतिक मूल्यों में गिरावट के कारण त्रेता, द्वापर युग में परिवर्तित हो गया और गिरावट का क्रम सतत चलने के कारण द्वापर घोर कलियुग में परिवर्तित हो गया। कलियुग में भी देवतुल्य लोग हुए हैं, परंतु इनकी संख्या नगण्य है।

संपादकीय

बड़े लक्ष्य साधता भारत...

गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वर्षों के अथक समर्पण का प्रमाण है। इसका लक्ष्य न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना है, बल्कि मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमताओं में भारत के कौशल को प्रदर्शित करना भी है। यह मिशन भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक मील का पत्थर होगा। इस अभियान का उद्देश्य अंतरिक्ष में चार अंतरिक्ष यात्रियों के दल को 400 किलोमीटर की कक्षा में तीन दिन के लिए भेजना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है। इसके लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों-ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला ने रूस और भारत में पांच साल के कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम से गुजर कर आने वाली चुनौतियों के लिए सावधानीपूर्वक तैयारी की है। रोबोटिक और मानव अंतरिक्ष अभियानों के बीच के अंतर को पहचानना महत्वपूर्ण है। जब मानव जीवन दांव पर होता है तो त्रुटि की गुंजाइश शून्य हो जाती है। इसके लिए सावधानीपूर्वक योजना, अत्याधुनिक तकनीक और सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। इसे स्वीकार करते हुए इसरो ने गगनयान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विशेष रूप से इस मिशन के लिए डिजाइन किया गया एलवीएम3 लांच वाहन मानव अंतरिक्ष उड़ान को समायोजित करने के लिए सुधारों से गुजरा है। इसके अतिरिक्त एलवीएम3 के क्रायोजेनिक चरण को मानव अंतरिक्ष उड़ान के उद्देश्य से विकसित किया गया है। अब इसको एचएलवीएम3 का नाम दिया गया है। एचएलवीएम3 में चालक दल निष्कासन प्रणाली शामिल है। यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी आपात स्थिति में चाहे वह प्रक्षेपण स्थल पर हो या उड़ान चरण के दौरान चालक दल माड्यूल को चालक दल के साथ सुरक्षित दूरी पर ले जाया जा सके। पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला आर्बिटल माड्यूल दो प्रमुख हिस्सों से मिलकर बना है- क्रू माड्यूल और सर्विस माड्यूल। मानवीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आर्बिटल माड्यूल अत्याधुनिक एवियोनिक्स (यान संचालन) प्रणालियों से लैस है, जिनमें अतिरिक्त बैकअप मौजूद है। क्रू माड्यूल अंतरिक्ष यात्रियों के रहने के लिए बनाया गया है। यह एक दोहरी दीवार वाला प्रकोष्ठ है। बाहरी दीवार ताप संरक्षण प्रणाली से सुसज्जित है। क्रू माड्यूल में चालक दल के उपकरण, दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएं, जीवनरक्षक प्रणाली, एवियोनिक्स और गतिरोध प्रणालियां शामिल हैं। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि अवतरण के समय चालक दल सुरक्षित रहे। इसके लिए यह पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करने में सक्षम है। सर्विस माड्यूल का मुख्य कार्य कक्षा में रहते हुए क्रू माड्यूल को आवश्यक सहायता प्रदान करना है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

मामूली प्रगति

विश्व व्यापार संगठन की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक या एमसी13 जैसा कि आमतौर पर इसे जाना जाता है- अबूधाबी शहर में मामूली आम सहमति के साथ संपन्न हुई। डिजिटल व्यापार पर शुल्क लगाने की देशों पर लगी रोक दो साल के लिए बढ़ाने पर अंतिम समय में हुए समझौते को ही प्रतिनिधि एक छोटी-सी जीत बता सकते हैं। लेकिन सच तो यह है कि यही एकमात्र अच्छी खबर है। शनिवार तड़के तक चली बैठक के बाद जारी घोषणापत्र में यह संकेत दिया गया कि सदस्य देश डब्ल्यूटीओ के कामकाज के लिए आवश्यक सुधारों पर काम करना जारी रखेंगे। यह भारत की सबसे बुनियादी मांगों में से एक है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बिल्कुल सही तरीके से यह बात रखी कि जब तक डब्ल्यूटीओ के बुनियादी कार्यों में सुधार नहीं किया जाता-जैसे कि विवाद समाधान प्रणाली- डब्ल्यूटीओ के दायरे का विस्तार करने के प्रयासों की गुंजाइश बहुत कम है। केंद्रीय तंत्र जिसके द्वारा डब्ल्यूटीओ आगे बढ़ सकता है वह यह है कि अमेरिकी प्रशासन- किसी भी पक्ष का-राष्ट्रों के बीच व्यापार विवादों पर फैसला करने वाले अपील निकाय में नए न्यायाधीशों के नामांकन पर अपनी अभूतपूर्व आपत्ति छोड़ दे। इस निकाय में 2024 तक सुधार करने का लक्ष्य था, लेकिन इस समयसीमा का पालन नहीं हो पाया। इस गतिरोध के जारी रहने की बड़ी जिम्मेदारी वॉशिंगटन में जो बाइडन प्रशासन की ही है। यहां तक कि बुनियादी जुड़ाव की भी कमी सबसे अधिक तब दिखाई दी जब अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने शुक्रवार को मंत्रिस्तरीय वार्ता छोड़कर जाने का फैसला किया, जबकि अन्य लोग समझौता करने की कोशिश करने के लिए रुके रहे। भारत के लिए सरकार की मुख्य प्राथमिकता यही थी कि भारत की अनाज खरीद प्रणाली का बचाव किया जाए, जिसे कि फिलहाल वह घरेलू स्तर पर सुधारने की कोशिश कर रही है। इसने पश्चिमी देशों को उतना परेशान नहीं किया जितना कि कुछ साथी विकासशील देशों को। ब्राजील ने भारत के खिलाफ आरोप का नेतृत्व किया, जबकि थाईलैंड के प्रतिनिधि ने अनाज भंडारण पर हमला करते हुए इसे वैश्विक खाद्य कीमतों को प्रभावित करने वाला बताया। भारत के विरोध के बाद थाईलैंड को डब्ल्यूटीओ में अपने राजदूत को वापस बुलाना पड़ा। अनाज खरीद को महत्त्व देने के पुराने तरीके पर भारत की कुछ मांगें वस्तुनिष्ठ तरीके की हैं और उनमें सुधार की जरूरत है। इसी तरह मत्स्यपालन के मामले में, जरूरत से ज्यादा मछली पकड़ने पर रोक लगाना भारत के हित में है, खासकर चीन जनवादी गणतंत्र के विशाल बेड़ों द्वारा। ऐसा करने के लिए, भारत के समान छोटे पैमाने के मछली पकड़ने के लिए बेड़े रखने वाले विकासशील देशों के साथ एक गठजोड़ करना चाहिए, और पश्चिमी देशों द्वारा सब्सिडी पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास का जवाबी प्रस्ताव पेश करना चाहिए। इसे आसानी से किया जा सकता था क्योंकि पिछले साल आयोजित एमसी12 मत्स्यपालन पर एक समझौते तक पहुंचने में विफल रहा था। इस तरह के दृष्टिकोण का खतरा दोहरा है। सबसे पहले, इसका मतलब यह है कि चीन के व्यवहार को अनुशासित करने के लिए डब्ल्यूटीओ का उपयोग करने की क्षमता का भारत लाभ नहीं उठा पा रहा और दूसरा, यह भारत के महत्त्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों सहित अन्य देशों के लिए बहुल समूह (प्लूरीलैटरल ग्रुप) बनाने के लिए प्रोत्साहन बढ़ाता है जिससे वे बहुपक्षीय समझौते (मल्टीलैटरल एग्रीमेंट) की आवश्यकता से बचते हैं। ये बहुल समूह भारत को शामिल किए बिना भविष्य के व्यापार नियमों को प्रभावी ढंग से निर्धारित करेंगे।

''आया राम गया राम'' ने लंबे समय से भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया है...

शाबाश इंडिया

दल बदल ''आया राम गया राम'' अभिव्यक्ति के साथ शुरू हुआ, जिसने हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में तीन बार पार्टियां बदलने के बाद भारतीय राजनीति में लोकप्रियता हासिल की। यह 1967 में हुआ था। संसद ने इस मामले का उपयोग भारतीय संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ने को उचित ठहराने के लिए किया। यह कानून सदन के किसी अन्य सदस्य की याचिका के जवाब में विधायिका के पीठासीन अधिकारी द्वारा सांसदों को दलबदल के लिए अयोग्य घोषित करने की प्रक्रिया स्थापित करता है। कानून के अनुसार, यदि कोई राजनेता स्वेच्छा से अपनी पार्टी छोड़ देता है या हाउस ऑफ कॉमन्स में वोट पर पार्टी नेतृत्व के निर्देशों की अवज्ञा करता है, तो वह दलबदल करता है। धारणा यह है कि विधायक इस व्यवहार से पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर रहे हैं। दल-बदल विरोधी विधेयक का उद्देश्य विधायकों को पाला बदलने से रोककर सरकार को स्थिर रखना है। दल -बदल विरोधी कानून ने भारत में बहस और चर्चा के बजाय पार्टियों और संख्या के आधार पर लोकतंत्र लागू किया। इस तरह से यह असहमति और दलबदल के बीच कोई अंतर नहीं करता है, जिससे किसी भी पैमाने पर संसदीय बहस कमजोर हो जाती है। दूसरी ओर, यह कानून राजनेताओं को उनके राजनीतिक दलों से अनिश्चित काल के लिए बाध्य नहीं करता है। विभिन्न परिस्थितियों में विधायक अयोग्य ठहराए जाने के डर के बिना दल बदल सकते हैं। यह कानून किसी पार्टी को किसी अन्य पार्टी के साथ विलय की अनुमति देता है यदि उसके दो-तिहाई सदस्य इसे स्वीकार करते हैं। ऐसे में किसी भी सदस्य पर दलबदल का आरोप नहीं लगता। अन्य स्थितियों में, यदि कोई व्यक्ति अध्यक्ष या अध्यक्ष के रूप में चुना गया था और उसे अपनी पार्टी से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। परिणामस्वरूप, वे पद छोड़ने के बाद फिर से पार्टी में शामिल हो सकते हैं। भारत में परित्याग की अनेक घटनाएं हुई हैं। कई विधायकों और सांसदों ने पार्टियां बदल ली हैं। 91वां संविधान संशोधन अधिनियम-2003 का लक्ष्य मंत्रिपरिषद के आकार को कम करना, दलबदलुओं को सार्वजनिक कार्यालय में प्रवेश करने से रोकना और भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची में सुधार करना था। पहले, विलय को एक राजनीतिक दल के निर्वाचित सदस्यों के एक तिहाई के

दलबदल के रूप में परिभाषित किया गया था। संशोधन के बाद इसे कम से कम दो-तिहाई कर दिया गया। अदालत ने विधायक अयोग्यता के मामलों पर विचार करने में स्पीकर की व्यापक शक्ति की भी पुष्टि की। यद्यपि हमारे देश के विधायकों की ओर से बार-बार और अपवित्र निष्ठा परिवर्तन के कारण होने वाली राजनीतिक अस्थिरता भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के कारण काफी कम हो गई है, फिर भी भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची के अधिक तर्कसंगत संस्करण की आवश्यकता है। मणिपुर प्रशासन में कुछ मौजूदा विधायक हाल ही में विपक्ष में चले गए, जिससे राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो गई। मणिपुर में दलबदल की यह राजनीति असामान्य नहीं है; हाल ही में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी दलबदल हुआ है। विधानमंडल के सदस्यों द्वारा राजनीतिक दलबदल ने लंबे समय से भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। दल-बदल विरोधी कानून ने निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज को दबा दिया है। विधायकों द्वारा पार्टी अनुशासन का पालन न करना एक राजनीतिक समस्या है, और इसे अधिक आंतरिक पार्टी लोकतंत्र और पार्टी के सदस्यों के विकास के तरीकों के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। भारत के संविधान का एक हिस्सा इसकी मूल भावना के खिलाफ है। यह दसवीं अनुसूची है, जिसे 52वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था। राजनीतिक दलबदल को रोकने के लिए 1985 में संसद द्वारा पारित किया गया, इसे आमतौर पर दलबदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है। इसका उद्देश्य एक राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए विधायकों को दूसरे के प्रति अपनी निष्ठा बदलने से रोकना था। इसका उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता लाना था। तब से, इसने हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों की आवाज को दबा दिया है, संवैधानिक कार्यालयों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है और हमारे लोकतंत्र का मजाक उड़ाया है। दल-बदल विरोधी कानून 37 वर्षों तक स्थिर सरकारें सुनिश्चित करने में विफल रहा है। कुछ हालिया उदाहरण उद्धृत किये जा सकते हैं। इन विफलताओं के बावजूद, दल-बदल विरोधी कानून को छोड़ने के बजाय उसे मजबूत करने की मांग उठ रही है। मूल प्रश्न यह है कि क्या किसी पार्टी के विधायकों को अपनी वफादारी दूसरे के प्रति स्थानांतरित करने से रोकना कानूनी रूप से संभव है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पैसे के अलावा, ''पद के लालच ने विधायकों के दल बदलने के फैसले में प्रमुख भूमिका निभाई।'' इसमें बताया गया है कि 1967 के चुनाव के बाद, सात राज्यों में दल बदलने वाले 210 विधायकों में से 116 उन सरकारों में मंत्री बन गए, जिन्हें उन्होंने अपने दलबदल से बनाने में मदद की थी। इससे यह सवाल उठता है कि क्या हमारे प्रतिनिधि केवल अपने राजनीतिक संगठन के प्रति ही जिम्मेदार हैं? या क्या उन लोगों की राय व्यक्त करने की भी उनकी कोई ज़िम्मेदारी है जिन्होंने उन्हें चुना है? भारत में, विधायकों द्वारा पार्टी अनुशासन का पालन न करने का प्रश्न एक राजनीतिक मुद्दा है, जो उनके और उनके राजनीतिक दल के बीच का मुद्दा है। यदि राजनीतिक दल चाहते हैं कि उनके सदस्य पार्टी लाइन पर चलें, तो उनके नेतृत्व को आंतरिक पार्टी लोकतंत्र, संवाद और अपने सदस्यों के विकास के रास्ते को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। असली सवाल यह होगा कि संविधान को उन राजनीतिक दलों की मदद के लिए क्यों आना चाहिए जो अपने सदस्यों को एक साथ नहीं रख सकते। यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि दल-बदल विरोधी कानून हमारी विधायिकाओं के प्रभावी कामकाज से लगातार समझौता कर रहा है। **-डॉक्टर सत्यवान सौरभ**

मंगल प्रवेश हुआ आचार्यश्री विशुद्ध सागरजी महाराजजी का

गोमटगिरी तीर्थक्षेत्र पर हुआ महा मस्तीकाभिषेक

इंदौर. शाबाश इंडिया। गोमटगिरि में वार्षिक महा मस्तकाभिषेक का भव्य आयोजन हुआ । इस अवसर पर परम पूज्यनीय आचार्यश्री विशुद्ध सागरजी महाराजजी ससंघ का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। गोमटगिरी तीर्थक्षेत्र कमेटी, दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल, दिगम्बर जैन महासमिति परिवार,पुलकजन चेतना मंच, और गोमटेश मंडल के द्वारा संघ की अगवानी की गई । आज गोमटगिरी तीर्थक्षेत्र पर दस हजार से ज्यादा समाजजन उपस्थित हुए। सुमतिधाम में 6 मार्च 2024 से 11 मार्च 2024 तक होने वाले पंचकल्याणक के लिए आचार्य विशुद्ध सागर जी 35 पिच्छी के साथ आज गोमटगिरि इन्दौर से दोपहर में 2 बजे से बिहार कर संघ पंचकल्याणक स्थल सुमतिधाम गोधा स्टेट गांधी नगर इन्दौर पंहुचा। कैलाश विजयवर्गीय नगरीय प्रशासन मंत्री म प्र शासन भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन मनीष गोधा सपना गोधा परिवार (सोधर्म परिवार) तथा शास्त्र भेट रमेश गुणमाला काला हैदराबाद (भगवान के माता-पिता) द्वारा किया गया ।

श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर स्वामी खंडाकन में सर्वतो भद्र इंद्रासन स्तंभ के वार्षिक अभिषेक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर महावीर स्वामी खंडाकन में श्री दिगंबर जैन महावीर स्वामी खंडाकान समिति द्वारा सर्वतो भद्र इंद्रासन स्तंभ के वार्षिक अभिषेक का कार्यक्रम सआनंद संपन्न हुआ। प्रथम अभिषेक का सौभाग्य राकेश छाबड़ा को मिला, मंगल आरती श्रीमती गरिमा जैन ने करी। समिति के महामंत्री आशीष छाबड़ा ने बताया कि इंद्रासन स्तंभ के चारों ओर पंचामृत के अभिषेक से पूरा समाज गदगद होकर के अभिषेक का आनंद ले रहा था । पूरा समाज एक साथ इस समारोह को देखने के लिए उत्साह पूर्वक छतों पर एवं मंदिर की छत पर एकत्रित हो गया। अध्यक्ष पारस जैन आगरा वाले द्वारा समाज बंधुओ एवं प्रथम अभिषेक कर्ता का स्वागत किया गया।

रविवार, 10 मार्च को आयोजित होगा महिला कार रैली का 5वां सीजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। एकेएस फाउंडेशन और दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विराट संयुक्त रूप से महिला दिवस के अवसर पर रविवार, 10 मार्च को महिला कार रैली का 5वां सीजन आयोजित कर रहे हैं। इस वर्ष एकेएस और दिगंबर जैन सोशल ग्रुप विराट प्रतिभागियों के लिए इंडस जयपुर हॉस्पिटल और हरि गढ़ फार्म के सहयोग से प्रतिष्ठित कार रैली लेकर आ रहे हैं। कार रैली के लिए असेंबली प्वाइंट आरआईसी झालाना है, जहां से बहुत धूमधाम और शो के साथ रैली को हरी झंडी दिखाई जाएगी और 11 किलोमीटर की दूरी तय करके कारें आगरा रोड पर हरि गढ़ फार्म पर फिनिश लाइन पर पहुंचेंगी। फिनिश लाइन पर रैली कारों का स्वागत ढोल नगाड़ा के साथ किया जाएगा। प्रतिष्ठित जूरी पुरस्कार प्रदान करेगी।

निम्नलिखित श्रेणियों में से प्रत्येक के लिए तीन पुरस्कार होंगे

1) सेल्फ लव और वोमम एम्पावरमेंट की थीम के अनुसार सर्वश्रेष्ठ कार सजावट।
2) सबसे अच्छा नारा।
3) सबसे अच्छी पोशाक वाली टीम।
4) जिस महिला को अपने दल में सबसे ज्यादा कारें और महिलाएं मिलेंगी, उसे एक विशेष उपहार मिलेगा। ब्रेक फास्ट के साथ पंजीकरण के लिए कई निःशुल्क उपहार वाउचर।

4 एवं 5 मार्च को सुमति धाम में होगी वस्तुत्व महाकाव्य पर राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी

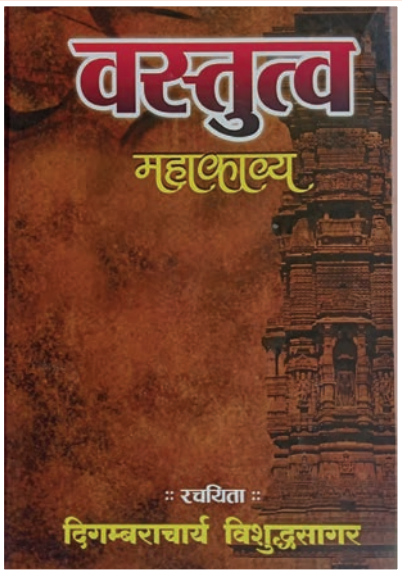

इंदौर. शाबाश इंडिया। सुमति धाम गोधा स्टेट गांधीनगर में होने वाले पंचकल्याणक की पूर्व वेला में दिनांक 4 एवं 5 मार्च को आगम एवं चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में उनके द्वारा रचित कृति वस्तुत्व महाकाव्य पर एक राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी होगी जिसमें स्थानीय एवं देश के विभिन्न स्थानों से आमंत्रित लगभग 20 विद्वान वस्तुत महाकाव्य में समाहित विभिन्न विषयों पर अपने शोध परक आलेखों का वाचन करेंगे। गोष्ठी के संयोजक जैन दर्शन के मनीषी विद्वान डॉक्टर श्रेयांश कुमार जैन (बड़ौत उत्तर प्रदेश) हैं, उन्होंने बताया कि वस्तुत्व महाकाव्य प्रणेता आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज बहु प्रतिभा संपन्न शताब्दी देशनाकार होने के साथ -साथ श्रुतोपासक एवं दीर्घ श्रुत साधक भी हैं और आपने शताधिक आध्यात्मिक शास्त्रों का सृजन किया है, आप काव्य कला के महाकवि भी हैं और आपने 5000 से अधिक कविताएं भी लिखी है जो विविध काव्य संग्रह में प्रकाशित हैं उनमें वस्तुतः महाकाव्य भी एक महाकाव्य है जो न केवल ज्ञान का सागर है बल्कि 12 खंड में विभाजित वस्तुके वस्तुत्व (भाव) का शंखनाद कर उसके गहरे रहस्य को उद्घाटित करने वाला 1200 कविताओं का एक ऐसा महाकाव्य है जो अज्ञान के तिमिर को हटाकर आत्म दर्शन कराता है। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के मंत्री एवं आचार्य श्री के चरणसेवी एवं प्रशंसक डॉक्टर जैनेंद्र जैन ने वस्तुत्व महाकाव्य के संबंध में कहा कि महाकाव्य में प्रकाशित कविताएं प्राचीन भारत के गौरव को रेखांकित करने वाली और जन सामान्य को जीवन जीने की कला सिखाने वाली ऐसी प्रभावशाली संजीवनी स्वरूप है जिसके पठन-पाठन से व्यक्ति को व्यसनमुक्त तथा हिंसा, अहंकार और आडंबर विहीन धर्ममय और सात्विक एवं शाकाहारी जीवन जीने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

जिनकी जीभ बोलती है उन्हें कम लोग सुनते हैं जिनका जीवन बोलता है उसको सारी दुनिया सुनती हैः आचार्य सुनील सागर

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवें दिन ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं हुई तो भगवान को वैराग्य हो गया

कामां, भरतपुर. शाबाश इंडिया

जिनकी जीभ बोलती है उन्हें कम लोग सुनते हैं जिनका जीवन बोलता है उसको सारी दुनिया सुनती हैं। सवाल यह कि क्या जैन जैन हैं या हिन्दू हैं तो जवाब जैन, जैन है क्योंकि वो इन्द्रीयों को जीतते हैं इसलिये जैन हैं किंतु वो समस्त हिन्दू धर्म की रीति नीति का अनुसरण करते हैं इसलिए जैन हिन्दू हैं उक्त उद्गार पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कामां में आचार्य सुनील सागर महाराज ने व्यक्त किये। पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि महोत्सव के दौरान रविवार को प्रातः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बौद्धिक आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में हुआ तो स्वयंसेवक संघ के प्रमुख कार्यकताओं को पाद प्रक्षालन व श्रीफल भेंट करने का मौका मिला। इस अवसर पर सामूहिक गीत,काव्य गीत के साथ दौलत सैनी ने आचार्य श्री के कामां आगमन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आप वर्तमान के राम लगते हैं। तो आचार्य श्री ने कहा कि कामां में प्रवेश हुआ तो ऐसे लगा जैसे अयोध्या में प्रवेश हुआ हो। उपस्थित सभी लोगों ने करतल धुनि से जयनाद किया। भव्य समोशरण का हुआ निर्माण पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान शांति नाथ का भव्य समोशरण का निर्माण हुआ तो उद्घाटन संकल्प जैन नदबई परिवार द्वारा किया गया तो मुख्य श्रोता बने भगवान दास मधु जैन ने प्रश्न किया। गणधर के रूप में विराजमान आचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा कि यह संसार तो नश्वर है तभी शांति नाथ वैराग्य की ओर प्रवत्त हो गए। उन्होंने कहा कि माया के जाल में ऐसे उलझे हैं कि कुछ समझ ही नही आता। किते से आये किते चले गए किसी को कछु पते न लगे। संसार की बीमारी केंसर की तरह है अतः इसका इलाज संभव नही है। सुखी होना चाहते हो तो संसार से विमुख होना ही होगा। सहकारिता मंत्री गौतम दक पधारे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में बड़ी सादड़ी से विधायक एवं राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक पधारे तो उन्होंने कहा कि मैं आपके दर्शनों को लालायित था जैन श्रावक बड़े ही भोले होते हैं और दान की क्रियायो में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करते हैं।

निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागर जी महाराज का हुआ डोंगरगढ़ से विहार

अशोक नगर कमेटी विहार में हुई समलित

डोंगरगढ़. शाबाश इंडिया। जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागरजी महाराज ससंघ का चन्द्रोदय तीर्थ डोंगरगढ़ दस दिनों के प्रवास के बाद आज दोपहर वाद चन्द्रगिरि तीर्थ से मंगल विहार कर दिया मंगल विहार मे तीर्थ कमेटी अध्यक्ष किशोर जी महामंत्री चन्द्र कांत उपाध्यक्ष सुरेशकुमार टिम्वू भइया राजकुमार चन्द्र कुमार वरिष्ठ भाजपा नेता खूब चन्द्र जैन अशोक नगर समाज के मंत्री व मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा गंज मन्दिर संयोजक उमेश सिघई थूवोनजी कमेटी के कोषाध्यक्ष सौरव वाझल अशोक जैन धुर्रा राजकुमार छोटे चाचा जैन रिषि जैन सुनील जैन सौरव जैन वीना सहित भक्त साथ चल रहे थे रात्रि विश्राम कर बारतलाव में धर्म सभा को सम्बोधित किया इसके पहले धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्री समयसागरजी महाराज ने कहा कि धर्म रथ के दो पहिए श्रावक और श्रमण धर्म है इनके सहयोगी से रथ चलेगा श्रावक धर्म का भी उतना ही महत्व है जितना श्रमण धर्म का विना श्रावक धर्म के श्रमण धर्म का पूर्णतः पालन नहीं होगा इसलिए श्रमण धर्म के साथ श्रावक धर्म को जोड़ी की उपमा दी गई है। उन्होंने कहा कि विषायनुराग और धमार्नुराग के वीच के अंतर को समझना होगा धमार्नुराग करते करते व्यक्ति कव विषायनुराग की ओर अग्रसर हो जाता है पता ही नहीं चलता इसलिए व्यक्ति को हर समय सावधान रहने की आवश्यकता है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की। तपस्थलि डोंगरगढ़ आज देशभर के भक्तों की आस्था का केंद्र वन गया आचार्य भगवंत ने अपनी साधना से समाधि लेकर इस तीर्थ को इतनी ऊंचाईयां प्रदान की ये डोंगरगढ़ दिगम्बर जैन समाज की नव आस्था के केन्द्र के रूप में भारतीय रजतपट पर अंकित होने जा रहा है।

महामस्तकाभिषेक एवं श्री 1008 सुपार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव सम्पन्न

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। समीपवर्ति श्री दिगम्बर जैन मंदिर समर्रा टीकमगढ़ में मनोकामना पूर्ण रिद्धि सिद्धि प्रदाता अति प्राचीन अतिशयकारी 1008 श्री सुपार्श्वनाथ भगवान नवीन वेदी पर विराजमान होने के पावन अवसर पर महामस्तकाभिषेक एवं मोक्षकल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास के साथ अनेको धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम परमपूज्य आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनि श्री 108 विधुव सागर जी एवं श्रमण मुनि श्री 108 विशन सागर जी महाराज के मंगल पावन सानिध्य में आयोजित किये गये। कार्यक्रम के पूर्व आचार्य निमंत्रण,देव आज्ञा,गुरु आज्ञा, घटयात्रा, ध्वजारोहण मंडप शुद्धि, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा नित्य नियम अभिषेक पूजन एवं चौसठ ऋषि विधान एवं विश्व शांति के लिए महायज्ञ हवन का आयोजन किया गया।

जीवन की सुरक्षा महल मे नही,मंदिर मे है: मुनिश्री

मुनिश्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा मनुष्य के जीवन का कोई भरोसा नहीं है। किसी क्षण तन तरु से प्राण पक्षी उड़ जाए कहां नहीं जा सकता इसलिए मनुष्य को सतत मौत का स्मरण करते हुए देव शास्त्र गुरु की शरण में रहना चाहिए। जिस शरण में मनुष्य जी रहा है वह शरण नहीं मरण है। जिसे मनुष्य शाश्वत समझ रहा है वह शाश्वत नहीं अशाश्वत है, धन, यश, पद, प्रतिष्ठा, पत्नी, बच्चे, दुकान, मकान आदि कोई भी शरण नही है इसलिये जीवन की सुरक्षा महल मे नही,मंदिर मे है। मंदिर को स्वीकारे और मन मंदिर में साधना के दीप जलाएं।समस्त विधि विधान का कार्य पंडित रमेश चन्द्र जी जैन अहमदावाद के कुशल निर्देशन में सम्पन्न किये गये।

श्री श्याम कला मंडल द्वारा मनाया जा रहा 50वां स्थापना महोत्सव

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। प्राचीन श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम बाबा मंदिर कमेटी ट्रस्ट (रजि.) व श्री श्याम कला मंडल द्वारा मनाया जा रहा 50वां स्थापना महोत्सव का आगाज भव्य रूप से शुरू हो गया है । इस ऐतिहासिक स्वर्णोत्सव को लेकर श्री श्याम बाबा मंदिर कमेटी ट्रस्ट (रजि.) व श्री श्याम कला मंडल के पदाधिकारियों ने पूरे प्रबंध किए हैं। इस आयोजन को लेकर न केवल पूरे मंदिर को बल्कि शहर के सभी चौक चौराहों व मुख्य बाजार को रंगीन लाइटों से तथा शहर में जगह जगह तोरण द्वार बनाए गए हैं ।जिससे शहर की तस्वीर बड़ी ही सुंदर लग रहीहै ।मंदिर प्रांगण में श्रीश्याम बाबा के जीवन से संबंधित व विभिन्न देवी देवताओं की मूर्तियों को भी सजाया गया है। स्वर्णोत्सव के पहले दिन शहर में ध्वजा शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें देश-विदेश से आए हजारों लोगों ने भाग लिया।उत्सव आगामी 7 मार्च तक चलेगा। समस्तीपुर से रेशमी शर्मा, कोलकाता से बिन्नु व जयपुर से तृप्ति लढा को भजनामृत की वर्षा के लिए आमंत्रित किया गया है। कल 2 मार्च को जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग दान किये गए।अर्द्धरात्रि कीर्तन में जयपुर से रजनी राजस्थानी, अबोहर से विशु गर्ग ने बाबा का गुणगान किया । आज 3 मार्च को भाई नरेश शर्मा विशाखापट्टनम द्वारा अखंड ज्योति पाठ किया गया इसके रचयिता श्री चंद्र जी डुंगराना वाले भी यहां आज मौजूद रहे अखंड ज्योति पाठ के मध्य में विभिन्न देवी देवताओं की बड़ी ही मनमोहक झांकी निकाली गई जिससे हजारों लोग भाव विभोर हो गये रात्रि में पंडाल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। रात्रि को नरेश शर्मा विशाखापट्टनम वाले श्याम बाबा का गुणगान करेंगे।

थाना कचनार मे हुआ जन संवाद का आयोजन

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

कचनार। पुलिस मुख्यालय के आदेश के पालन में आज संपूर्ण प्रदेश में जन संवाद कार्यक्रम का आयेजन किया गया। जिला अशोकनगर के थाना कचनार पर थाना प्रभारी उनि अक्षय कुशवाह के उपस्थिति में उक्त जन-संवाद कार्यक्रम संपन्न किया गया। उक्त कार्यक्रम में थाना क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि, मीडियाकर्मी, डॉक्टर, समुदाय प्रमुख व शिक्षाविद भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र विशेष में पुलिस की गश्त को बडाए जाने व असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने हेतु प्रस्ताव पुलिस के समक्ष रखा गया, अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी संवाद हुआ ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विरागोदय तीर्थ में जैन मिलन, क्षेत्र 10 का क्षेत्रीय अधिवेशन संपन्न

जैन मिलन की 40 शाखाएं हुई शामिल

मनीष शास्त्री विद्यार्थी.शाबाश इंडिया

सागर। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्र.10 का क्षेत्रिय अधिवेशन विरागोदय तीर्थ क्षेत्र पथरिया में जैन मिलन पथरिया के तत्वावधान में,40 शाखों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी शाखों के झंडा, बैनर बैंड बाजे के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर अरुण जैन चंदेरिया गया। जैन मिलन प्रमुख शाखा दमोह एवं महिला जैन मिलन कटरा सागर को सर्वश्रेष्ठ शाखा से पुरुस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष/मंत्री के साथ राष्ट्रीय, क्षेत्रीय संयोजकों को भी स्मृति, माला, अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। क्षेत्र द्वारा इस वर्ष 14 नवीन शाखा एवं 12 निष्क्रिय शाखा सक्रिय की गई , राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि शाखा सक्रिय करना ऐसा ही कार्य है जैसे मंदिर का जीर्णोद्धार करना हमारा लक्ष्य शाखा का गठन कर लोगों को जोड़ना होना चाहिए। और क्षेत्र

एवं मंत्री वीरां कविता ऋषभ जैन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर विजय गुना, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष वीर महेन्द्र ग्वालियर, राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर कमलेन्द्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर विनय गुना की गरिमामयी एवं सभी क्षेत्रीय पदाधिकारी संपन्न हुआ।तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्वलन , महावीर प्रार्थना एवं भगवानगंज सागर की वीरांगनाओं द्वारा मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। पथरिया शाखा अध्यक्ष अतिवीर संजय कुबेर द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया द्वारा अतिथि परिचय दिया एवं आतिथ्य शाखा की सुन्दर व्यस्था की सराहना की। क्षेत्रीय मंत्री श्रीमती कविता जैन ने क्षेत्र की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। सभी शाखाओं को वार्षिक प्रगति के आधार पर सम्मानित किया क्रमांक 10 में शाखों का गठन कर भगवान महावीर के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया इस के लिए क्षेत्रीय अध्यक्ष/मंत्री को बधाई दी। उन्होंने फाउंडेशन ट्रस्टी बनाने पर भी अपनी बात रखी। राष्ट्रीय मंत्री वीर कमलेन्द्र जी द्वारा क्षेत्र की ओर से प्रस्ताव रखे जिसमें आचार्य विद्या सागर जी की 18 फरवरी को समता पूर्वक समाधि एवं विनान्यजलि के रूप मे भारतीय जैन मिलन द्वारा एक दिन एवं एक ही समय पर 48 दीपों के साथ भक्तामर जी का पाठ किया जावे। सभी क्षेत्रों में वार्षिक अधिवेशन मार्च तक सम्पन्न होना चाहिये, सभी शाखाओं के निर्वाचन मार्च माह में संपन्न हो जावे ताकि अप्रैल में नया सत्र शुरू हो सके। कार्यक्रम में जैन मिलन के वार्षिक कैलेंडर का भी विमोचन किया गया।

दिगंबर जैन महासमिति द्वारा चिकित्सा शिविर आयोजित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति कीर्ति नगर, इकाई पश्चिम संभाग तथा कीर्ति नगर संभाग द्वारा इंटरनल हॉस्पिटल के सानिध्य में कीर्ति नगर जैन मंदिर में विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का दीप प्रज्वलन प्रमुख समाज सेवी कैलाशचंद गोधा ने किया। इस अवसर पर निर्मल कुमार संघी अध्यक्ष तथा महेंद्र छाबड़ा मंत्री ने अवगत कराया कि मंदिर कमेटी के अध्यक्ष अरुण काला तथा मंत्री जगदीश जैन के सानिध्य में हुए शिविर में राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या, नवीन सेन जैन, डॉक्टर राजेंद्र जैन, अंचल अध्यक्ष अनिल जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, डॉक्टर णमोकार जैन, सुनील बज, डॉक्टर राजेंद्र जैन, एस एल गंगवाल, राजेश बड़जात्या, डॉक्टर ज्ञान चंद सोगानी के साथ-साथ संभाग के कैलाश मलैया भी उपस्थित रहे। मनोज गोधा ने अवगत कराया कि विनोद बाकलीवाल, राकेश गोदिका, बसंत जैन, मनीष बेद आदि की भी गौरवमय उपस्थिति रही। कीर्ति नगर इकाई अध्यक्ष भागचंद बाकलीवाल, मंत्री राजकुमार छाबड़ा तथा संभाग के विभिन्न पदाधिकारी के सहयोग से आयोजित शिविर में लगभग 400 रोगियों ने इस अवसर पर विभिन्न चिकित्सको की सेवाए निशुल्क प्राप्त की।

खानपुर राजस्थान में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन

खानपुर, चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन अग्रवाल समाज खानपुर बड़ा बाजार स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में विगत 27 फरवरी से सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन धुमधाम से चल रहा है। यह आयोजन विधानाचार्य बाल ब्र. संजय भैया मुरैना के सानिध्य मे चल रहा है। जानकारी देते हुए मन्दिर महामंत्री प्रशांत जैन ने बताया कि प्रतिदिन होने वाले अभिषेक ,पुजन व आरती मे समाज जन बढ-चढकर भाग ले रहे हैं। भक्ति का यह आलम है कि प्रतिदिन पुण्यार्जक परिवारों के यहां से संध्या की बेला में गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते मन्दिर तक आरती लाई जा रही है जो आकर्षण का केन्द्र बिंदु है। संगीतकार सुनील जैन कोलारस अपनी सु मधुर धुनों से भजन गाते हुए भक्तों को भाव विभोर कर देते हैं। और भक्तगण भक्ति में मगन होकर नृत्य करते दिखाई पड़ते हैं। यह विधान श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस फाल्गुन कृष्ण द्वादशी 7 मार्च को पुर्ण होगा इस दिन श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक,शान्तिधारा, पुजन, हवन एवं श्रीजी की शोभायात्रा मुख्यमार्गों से निकालने के बाद श्री मुनिसुव्रतनाथ मन्दिर संतशाला भुमि शिलान्यास होगा । अन्त में समस्त अग्रवाल समाज व सकल जैन समाज के वात्सल्य भोज के 10 दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या को श्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष तथा राजस्थान रीजन को सर्वश्रेष्ठ रीजन पुरस्कार से सम्मानित

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

कुंडलपुर, दमोह. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन कुण्डलपुर दमोह में संपन्न हुआ। समारोह में राजस्थान रीजन जयपुर के लगभग 114 सदस्यों ने भाग लिया । 28वे अधिवेशन का प्रारंभ प्रातः 10:00 बजे से से 29 ध्वज का ध्वजारोहण कर किया गया। तत्पश्चात शानदार नृत्य , ध्वज गायन आदि से कार्यक्रम को सजाया गया सभी उपस्थित अतिथियों का माला साफा दुपट्टा पहनाकर, प्रशस्ति प्रदान कर स्वागत किया गया । समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायक्या ने राजस्थान रीजन जयपुर के यशस्वी अध्यक्ष राजेश बड़जात्या को श्रेष्ठ रीजन अध्यक्ष तथा राजस्थान रीजन जयपुर को सर्वश्रेष्ठ रीजन के पुरस्कार से नवाजा जिसे अध्यक्ष राजेश बड़जात्या तथा महासचिव निर्मल संघी तथा अन्य उपस्थित रीजन पदाधिकारियों के साथ ग्रहण किया। धार्मिक यात्रा, विदेश यात्रा, मानव सेवार्थ, पर्यावरण, फेडरेशन सहयोगी, रीजन सहयोगी जैसी अलग-अलग श्रेणियों में राजस्थान रीजन जयपुर के अनेक ग्रुपों को पुरस्कृत किया गया । राष्ट्रीय महासचिव विपुल बांझल ने सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया तथा अंत में शांति पाठ के साथ राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन किया गया ।

धीरज राष्ट्रीय गौरव सम्मान पुरस्कार से सम्मानित

डूंगरपुर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं बाल विकास आयोग ट्रस्ट द्वारा रविवार को जानकी देवी ऑडिटोरियम जयपुर में राष्ट्रीय गौरव सम्मान पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया जिसमे देश भर की 51 हस्तियों का सम्मान किया गया जिले के धीरज सुथार को भी सम्मानित किया गया ये सम्मान इनके विगत कई वर्षों से साहित्य, लेखक और युवा वक्ता के रूप में दिए जा रहें उनके योगदान को देखते हुए दिया गया इससे पूर्व धीरज को कई राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान से नवाजा जा चुका है साथ ही धीरज ने इस राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम में मंच संचालन की भुमिका का निर्वहन कर वागड़ का मान बढ़ाया है इस अवसर पर जयपुर सासंद रामचरण बोहरा, समाज सेवी और उद्यमी अमराराम चुयल, फारुख आफरीदी,पद्मश्री उस्ताद अली गनी, रामानंददास जी महाराज,पार्वती, प्रदीप कुमार, श्रवण धामु, हनुमान भद्रेचा, एंकर त्रिलोक आदि उपस्थित रहे।

यश कमल अजमेरा "स्टार आफ दा ईयर" अवार्ड से सम्मानित

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के अधिवेशन में फेडरेशन अध्यक्ष ने स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

कुंडलपुर, दमोह. शाबाश इंडिया। अन्तरराष्ट्रीय दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का 28वां राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार 3 मार्च को पावन तीर्थस्थल बडे बाबा कुण्डलपुर जी मे हजारों सदस्यों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिती मे भव्यता के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन मे संस्था के अन्तरराष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका द्वारा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यश कमल अजमेरा पूर्व राजस्थान रीजन जयपुर अध्यक्ष को अध्यक्षीय अवार्ड ''स्टार आफ दा ईयर'' के गौरवशाली अवार्ड से सम्मानित किया । ये सम्मान उन्हे वर्षभर संस्था के प्रति समर्पण व लगन के साथ किये गए कार्यो, विशेष रूप से फेडरेशन के कार्यों के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुल्क राज बादशा अधिवेशन चेयरमैन भी उपस्थित रहे।

नाटक 'जागो' का मंजन 6 मार्च को

जयपुर. शाबाश इंडिया। कला संस्कृति साहित्य पुरातत्व विभाग राजस्थान सरकार के सहयोग से नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला में तैयार किया गया नाटक ''जागो'' का मंजन 6 मार्च 2024 को शाम 7:00 बजे नाटक वाला कला मंच आमेर में प्रस्तुत किया जाएगा। सामाजिक जन चेतना नाटक के लेखक एवं निर्देशक युवा रंगकर्मी गोपाल प्रसाद (अजमेर) है।

स्वर्गीय संपत जी पांड्या की स्मृति में श्रमण संस्कृति संस्थान के छात्रों को भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वर्गीय संपत जी पांड्या की स्मृति में श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के छात्रों को पांड्या परिवार द्वारा भोजन करवाया गया। संस्थान के राहुल जैन ने बताया कि इस अवसर पर संस्था के महामंत्री सुरेश कासलीवाल, सयुक्त सचिव दर्शन बाकलीवाल, उम्मेद पांड्या, सुभाष पांड्या, संजय पांड्या के साथ साथ पांड्या परिवार के सदस्य उपस्थित थे ।